RAJYA SABHA

Thursday, the 7th March, 1996/17th Phalguna 1917 (Saka)

The House met at eleven of the clock, MR. CHAIRMAN in the Chair.

THE LEADER OF THE OPPOSITION (SHRI SIKANDER BAKHT): Sir,...(*Interruptions*)....

SHRI V. NARAYANASAMY: Sir, there is a very important question relating to public sector. ...(*Interruptions*).... Mr. Gurudas Das Gupta, you have given this question ...(*Interruptions*)....

SHRI S. JAIPAL REDDY: Sir, we are facing a constitutional crisis...(*Interruptions*)....

MR. CHAIRMAN: What is the issue? ...(*Interruptions*)....

SHRI S. JAIPAL REDDY: Sir, we are facing a constitutional crisis. ...(*Interruptions*).... I request the Prime Minister to avail himself of this opportunity to clarify his position. ...(*Interruptions*).... we are facing a constitutional crisis. ...(*Interruptions*).... There is no Minister for CBI ...(*Interruptions*)....

DR. BIPLAB DASGUPTA: The Prime Minister is in the dock. ...(*Interruptions*).... He has to go...(*Interruptions*)

AN HON. MEMBER: The Prime Minister is going to answer today...(*Interruptions*)...

SHRI SIKANDER BAKHT: What is the credibilitiy left on the basis of which the Prime Minister would answer the question? ...(*Interruptions*)....

SHRI SATISH AGARWAL: The Prime Minister has lost his credibility. ...(*Interruptions*).... He must resign. ...(*Interruptions*)....

MR CHAIRMAN: Let us keep the credibility of the House. ...(*Interruptions*)....

SHRI SUSHILKUMAR SAMBHAJIRAO SHINDE: Sir, there is an important question on elections in Jammu and Kashmir. ...(*Interruptions*).... This is a very important question because it relates to elections in Jammu and Kashmir. ...(*Interruptions*)....

SHRI SATISH AGARWAL: The Prime Minister has lost his creditibility. ...(*Interruptions*)....

MR. CHAIRMAN: If you do not want the House to run, I adjourn it till twelve o'clock.

The House then adjourned at four minutes past eleven of the clock.

The House reassembled at twelve of the clock,

MR. CHAIRMAN in the chair.

WRITTEN ANSWERS TO QUESTIONS

ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सुविधाएं

*101. श्री अनन्तराम जायसवाल:
श्री सत्य प्रकाश मालवीय:

क्या स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार ने देश के ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सुविधायें उपलब्ध कराने के लिए कोई कदम उठाये हैं, यदि हां, तो उनका ब्यौरा क्या है और उन सुविधाओं पर कितनी धनराशि व्यय की गई है और इस कार्य में कितने कर्मचारी लगाए गए हैं; और

(ख) सरकार द्वारा उपलब्ध कराई गई ऐसी स्वास्थ्य सुविधाओं से कितने व्यक्ति कौन-कौन से राज्य लाभान्वित हुए हैं?

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री और जल संसाधन मंत्री (श्री ए०आर० अंतुले):

(क) भारत सरकार विभिन्न राष्ट्रीय कार्यक्रमों के अंतर्गत स्वास्थ्य सुविधाएं प्रदान कर रही है। इन कार्यक्रमों का राज्य सरकारों द्वारा कार्यान्वयन तथा अनुरक्षण किया जाना होता है।

(ख) ब्यौरे राज्य सरकारों से एकत्र किए जा रहे हैं

Offer of Millitant outfits to hold talks with Government

*102 SHRIMATI VEENA VERMA:
SHRI SUSHILKUMAR SAMBHAJIRAO SHINDE:

Will the PRIME MINISTER be pleased to state:

(a) whether a number of militant outfits in Jammu and Kashmir have lately offered to hold talks with Government to help resolve the Kashmir issue;

(b) if so, the details thereof; and

(c) what is Government's response thereto?

THE MINISTER OF STATE IN THE PRIME MINISTER'S OFFICE (SHRI BHUVNESH CHATURVEDI) (a) and (b). Yes, Sir. Four militnat leaders belonging to various groups, in a press conference on 8th February, 1996 have made an offer for dialogue with the Government with a veiw to resolving the problem in Jammu and Kashmir.

(c) The Government have continued to remain openn to dialogue and discussions with various individuals and groups with the aim of restoring peace and normalcy in the State, and welcome this development.

दिल्ली विकास प्राधिकरण द्वारा निर्मित फ्लैटों को गिराया जाना

*103. **श्री नागमणि:** क्या **शहरी कार्य और रोजगार** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या दिल्ली विकास प्राधिकरण ने अपने द्वारा निर्मित कुछ फ्लैट गिरा दिये हैं;

(ख) यदि हां, तो गत तीन वर्षों के दौरान वर्ष-वार ऐसे कितने फ्लैट गिराये गये और वर्ष 1995-96 के दौरान कितने फ्लैट गिराये जाने की संभावना है;

(ग) उसके क्या कारण हैं;

(घ) क्या ऐसे फ्लैटों का आवंटन करके आवंटियों को कब्जा दे दिया गया था;

(ङ) क्या उक्त आवंटियों के लिये वैकल्पिक आवंटन की कोई व्यवस्था कर दी गयी है;

(च) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(छ) इसके कारण डी०डी०ए० को कितनी हानि हुई है;

(ज) क्या डी०डी०ए० ने इस संबंध में कुछ अधिकारियों/अभियंताओं के विरुद्ध कोई कार्रवाई की है; और

(झ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

शहरी कार्य और रोजगार मंत्रालय (शहरी रोजगार और गरीबी उन्मूलन विभाग) में राज्य मंत्री (श्री एस०एस० अहलुवालिया) (क) और (ख) जी, हां। दिल्ली विकास प्राधिकरण द्वारा गत तीन वर्षों के दौरान गिराये गये फ्लैटों का ब्यौरा इस प्रकार है:—

वर्ष	फ्लैटों संख्या	कीस्कीम का नाम
1992-93	6	ए/10, कालकाजी
1993-94	शून्य	एक्सटैंशन में 282 एम
1994-95	शून्य	आई जी फ्लैट स्कीम

वर्ष 1995-96 के दौरान गिराने के लिये प्रस्तावित फ्लैटों का ब्यौरा इस प्रकार है:—

(i) मयूर बिहार, फेज-I में 265 फ्लैटों में से 163 फ्लैट (40एमआईजी† 123 एलआईजी)

(जज) मयूर बिहार, फेज-I में 300 में से 220 फ्लैट (44एमआईजी +176एलआईजी)

(iii) प्रशान्त बिहार, हैदरपुरी, सेक्टर 14 रोहिणी में 140 कमजोर वर्गों के लिए फ्लैट

(iv) जहांगीर पुरी में 56 एमआईजी फ्लैट (आंशिक निर्मित)

(ग) जमीन के नीचे बारीक मिट्टी बिछालन के कारण नींव धंसने की वजह से कालकाजी में 6 फ्लैट गिराने पड़े थे।

मयूर बिहार, प्रशान्त विहार और जहांगीर पुरी के फ्लैट घटिया निर्माण के कारण गिरायेजाने हैं।

(घ) कालकाजी एक्सटेंशन के 6 फ्लैटों का कब्जा आवंटियों को दिया गया था।

(ङ) जी, हां।

(च) कालकाजी के 5 फ्लैटों के आवंटियों को वैकल्पिक वास दिया गया था और छठे आवंटी को वैकल्पिक वास के बजाय किराये का भुगतान किया जा रहा है।

(छ) इन मकानों को गिराने के कारण दिल्ली विकास प्राधिकरण को हुई हानि इस प्रकार है:—

(i) कालकाजी एक्सटेंशन में 6 फ्लैट—11.04 लाख रु०

(ii) मयूर बिहार फेज—I 163 फ्लैट—77.70 लाख रु० (लगभग)

(iii) मयर बिहार फेज-I में 220 फ्लैट—125.00 लाख रु० (लगभग)

(iv) प्रशांत बिहार (हैदरपुर) में 140 ईडब्ल्यूएस—4.46 लाख रु० (लगभग)

(v) जहांगरी पुरी में 56 एमआईजी फ्लैट—27.50 लाख रु० (लगभग)